

# Ganpati Bappa Morya Agle Baras Tu Jaldi Aa Lyrics in Hindi and English

## Ganpati Bappa Morya Agle Baras Tu Jaldi Aa Lyrics in Hindi

गणपती बाप्पा मोरया, पुढच्या वर्षी लवकर या

गणपती बाप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ  
गणपती बाप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ

मेरे मन मंदिर में तुम भगवान रहे  
मेरे दुःख से तुम कैसे अनजान रहे

मेरे घर में कितने दिन मेहमान रहे  
हो... मेरे दुःख से तुम कैसे अनजान रहे

गणपती बाप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ

कितनी उम्मीदे बंध जाती है तुम से,  
तुम जब आते हो  
अब के बरस देखे क्या दे जाते हो,  
क्या ले जाते हो

गणपती बाप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ

अपने सब भक्तो का तुम को ध्यान रहे  
मेरे दुःख से तुम कैसे अनजान रहे

मेरे मन मंदिर में तुम भगवान रहे  
मेरे दुःख से तुम कैसे अनजान रहे

गणपती बाप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ

आना जाना जीवन है, जो आया कैसे जाए ना  
खिलने से पहले ही लेकिन फूल कोई मुरझाये ना

गणपती बाप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ

न्याय अन्याय की कुछ पहचान रहे  
मेरे दुःख से तुम कैसे अनजान रहे

मेरे मन मंदिर में तुम भगवान रहे  
मेरे दुःख से तुम कैसे अनजान रहे

गणपती बाप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ

असुवन का कतरा कतरा,  
सागर से भी है गहरा  
इसमे डूब ना जाऊँ मै,  
तुम्हारी जय जय गाऊँ में

वरना अब जब आओगे,  
तुम मुझको ना पाओगे  
तुम को कितना दुःख होगा,  
गणपती बाप्पा मोरया

गणपती बाप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ

अपनी जान के बदले अपनी जान मै अर्पण करता हूँ  
आखरी दर्शन करता हूँ, अब मै विसर्जन करता हु

गणपती बाप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ

Ganpati Bappa Morya Agle Baras Tu Jaldi Aa Lyrics in English

Ganpati Bappa Morya, Agle Baras Tu Jaldi Aa

Ganpati Bappa Morya, Agle Baras Tu Jaldi Aa  
Mere man mandir mein tum Bhagwan rahe  
Mere dukh se tum kaise anjaan rahe

Mere ghar mein kitne din mehmaan rahe  
Ho... Mere dukh se tum kaise anjaan rahe

Ganpati Bappa Morya, Agle Baras Tu Jaldi Aa

Kitni ummeede bandh jaati hai tumse,  
Tum jab aate ho  
Ab ke baras dekhe kya de jaate ho,  
Kya le jaate ho

Ganpati Bappa Morya, Agle Baras Tu Jaldi Aa

Apne sab bhakton ka tumko dhyaan rahe  
Mere dukh se tum kaise anjaan rahe

Mere man mandir mein tum Bhagwan rahe  
Mere dukh se tum kaise anjaan rahe

Ganpati Bappa Morya, Agle Baras Tu Jaldi Aa

Aana jaana jeevan hai, jo aaya kaise jaye na  
Khilne se pehle hi lekin phool koi murjhaaye na

Ganpati Bappa Morya, Agle Baras Tu Jaldi Aa

Nyay anyay ki kuch pehchaan rahe  
Mere dukh se tum kaise anjaan rahe

Mere man mandir mein tum Bhagwan rahe  
Mere dukh se tum kaise anjaan rahe

Ganpati Bappa Morya, Agle Baras Tu Jaldi Aa

Asuvan ka katra katra,  
Sagar se bhi hai gehra  
Isme doob na jaaun main,  
Tumhari jai jai gaaun main

Varna ab jab aayoge,  
Tum mujhko na paayoge  
Tumko kitna dukh hoga,  
Ganpati Bappa Morya

Ganpati Bappa Morya, Agle Baras Tu Jaldi Aa



Apni jaan ke badle apni jaan main arpann karta hoon  
Aakhri darshan karta hoon, ab main visarjan karta hoon

Ganpati Bappa Morya, Agle Baras Tu Jaldi Aa

## About Ganpati Bappa Morya Agle Baras Tu Jaldi Aa Bhajan in English

“Ganpati Bappa Morya, Agle Baras Tu Jaldi Aa” is a heartfelt and emotional devotional bhajan dedicated to Lord Ganesha. This bhajan expresses the love, devotion, and longing of his devotees as they bid farewell to Lord Ganesha at the end of his annual visit and eagerly await his return the following year. The lyrics are filled with deep affection for Lord Ganesha, emphasizing his divine presence, the hopes and blessings his devotees seek, and the emotional connection they share with him.

Breakdown of the Bhajan:

**Longing for Lord Ganesha’s Return:** The bhajan begins with a plea for Lord Ganesha to return soon, as the devotees eagerly await his presence next year. The phrase “Ganpati Bappa Morya, Agle Baras Tu Jaldi Aa” signifies a heartfelt request to Lord Ganesha to come quickly the following year.

**Devotees’ Deep Attachment:** The bhajan expresses how Lord Ganesha’s presence in the home brings hope and joy. The devotees describe the emotional attachment they have developed with him during his visit, and how they feel his absence after his departure. The line “Mere dukh se tum kaise anjaan rahe” reflects the feeling that Lord Ganesha understands their pain and is always there to help.

**The Blessings and Hopes:** The lyrics mention the hopes and blessings that Lord Ganesha brings when he visits. The devotees believe that with Ganesha’s presence, all their difficulties will be solved and their desires fulfilled. They seek blessings for wisdom, prosperity, and success.

**The Devotional Plea:** The bhajan also conveys a deep emotional plea for Lord Ganesha’s grace and mercy. The devotees express that they are ready to sacrifice anything for his presence and pray for his protection and guidance in their lives.

Farewell and Final Request: As the bhajan progresses, there is an emotional farewell where the devotees express their willingness to bid adieu to Lord Ganesha, but with a promise to eagerly await his return. The lines “Apni jaan ke badle apni jaan main arpann karta hoon, Aakhri darshan karta hoon” reflect the heartfelt sacrifice of the devotees as they prepare for the immersion of Lord Ganesha’s idol.

This bhajan conveys the spiritual and emotional bond between Lord Ganesha and his devotees. It highlights the deep devotion of the worshippers, their yearning for his return, and their belief in the blessings that Lord Ganesha brings to their lives. The song invokes a sense of longing, gratitude, and faith, creating a powerful connection with Lord Ganesha. It also expresses the bittersweet feeling of parting with him, while anticipating his return next year.

## About Ganpati Bappa Morya Agle Baras Tu Jaldi Aa Bhajan in Hindi

“गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ” एक बेहद भावुक और भक्ति से भरा हुआ भजन है जो भगवान गणेश की पूजा और उनकी मासूमियत और कृपा को व्यक्त करता है। यह भजन भगवान गणेश के प्रति भक्तों की गहरी श्रद्धा, प्यार और उनकी जल्द वापसी का इंतजार करने की भावना को दर्शाता है। हर वर्ष गणेश उत्सव के बाद भक्तों को उनकी विदाई का दुख होता है, और वे भगवान गणेश से अगले वर्ष जल्दी आने की प्रार्थना करते हैं।

**भजन का सारांश :**

भगवान गणेश की जल्दी वापसी की प्रार्थना : भजन की शुरुआत भगवान गणेश से उनके अगले वर्ष जल्दी आने की प्रार्थना से होती है। “गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ” के शब्द भक्तों के दिलों की भावना को व्यक्त करते हैं, जो गणेश जी के आने का इंतजार करते हैं।

भगवान गणेश के प्रति गहरी श्रद्धा और संबंध : भजन में यह व्यक्त किया जाता है कि भगवान गणेश के घर में आने से भक्तों को सुख और समृद्धि मिलती है, और उनका दिल एक गहरे संबंध से जुड़ जाता है। “मेरे दुख से तुम कैसे अनजान रहे” जैसे शब्द यह व्यक्त करते हैं कि भगवान गणेश के आने से हर दुख का अंत होता है।

आशीर्वाद और शुभकामनाओं की उम्मीद : इस भजन में भगवान गणेश से आशीर्वाद की प्रार्थना की जाती है, जिसमें भक्त उनकी कृपा से अपने जीवन में सुख, समृद्धि, ज्ञान और



सफलता की कामना करते हैं। वे यह भी चाहते हैं कि गणेश जी अगले साल फिर से उनके घर आकर उनकी समस्याओं को दूर करें।

विदाई और समर्पण : भजन के अंत में भक्त भगवान गणेश से विदाई लेते हैं और अपनी श्रद्धा और भक्ति का समर्पण करते हैं। “अपनी जान के बदले अपनी जान मैं अर्पण करता हूँ” जैसे शब्द भगवान गणेश के प्रति समर्पण की गहरी भावना को दर्शाते हैं।

भावनात्मक याचना : यह भजन भगवान गणेश की अनुपस्थिति में उनके पुनः आगमन का इंतजार करने की भावना को व्यक्त करता है। भक्तों का यह विश्वास होता है कि भगवान गणेश के आशीर्वाद से उनके जीवन में कोई भी मुश्किल नहीं रहती और हर काम सफल हो जाता है।

यह भजन भगवान गणेश के प्रति गहरी भक्ति और उनकी महिमा का प्रतीक है। इसमें भगवान गणेश के आने का इंतजार, उनकी कृपा की उम्मीद और उनके आशीर्वाद से जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की कामना की जाती है। यह भजन भक्तों को भगवान गणेश से जोड़ता है और उनके प्रति श्रद्धा और प्रेम को बढ़ाता है।